दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
वर्ष 15 / अंक 85 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, बुधवार, 24 मई 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

जी-20 के लिए पहुँचने लगे विदेशी मेहमान

'गिग' अर्थव्यवस्था की त्रासदी

मूल्य- 2 रु.

'परस्पर विश्वास व सम्मान' भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की सबसे मजबूत और बड़ी नींव: मोदी

सिडनी, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि आज भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की सबसे मजबूत और सबसे बड़ी नींव 'परस्पर विश्वास व परस्पर सम्मान' है तथा इसका श्रेय ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले हर एक प्रवासी भारतीय और ऑस्ट्रेलिया के नागरिकों को जाता है। मोदी के यहां आने के अवसर पर एक उपनगर का नाम बदलकर 'लिटिल इंडिया' किया गया, जो दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने यहां के कूडोस बैंक एरिना में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए ब्रिस्बेन में भारतीय वाणिज्य दूतावास खोले जाने की भी घोषणा की।

'नमस्ते ऑस्ट्रेलिया'

इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के विभिन्न हिस्सों से आए, करीब 21,000 लोग मौजूद थे। इस दौरान उत्साहित लोगों ने 'मोदी-मोदी' के नारे भी लगाए। इस अवसर पर अल्बनीज ने कहा कि मोदी जहां भी जाते हैं उनका 'रॉकस्टार' की तरह स्वागत होता है और जिस प्रकार यह आज हुआ है वैसा महान गायक ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का भी नहीं किया गया। मोदी ने भारत को 'वैश्विक भलाई की ताकत' और विश्व अर्थव्यवस्था का 'चमकता सितारा' करार देते हुए कहा, ''जहां भी आपदा आती है, भारत मदद के लिए तैयार खड़ा रहता है। हाल में जब तुर्किये में भूकंप ने तबाही मचाई थी तो भारत ने ऑपरेशन दोस्त के जरिए मदद का हाथ बढ़ाया था।'' उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि पिछले साल आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद दोनों पक्षों के बीच द्विपक्षीय व्यापार अगले पांच साल में दोगुने से अधिक हो जाएगा।'' मोदी ने कहा, ''अब हम एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर काम कर रहे हैं। हम लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण कर रहे हैं। इससे दोनों पक्षों के कारोबार को गति मिलेगी और दुनिया को नया भरोसा मिलेगा।'' 'नमस्ते ऑस्ट्रेलिया' के संबोधन से अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की व्याख्या 'ट्रिपल सी' यानी कॉमनवेल्थ (राष्ट्रमंडल), क्रिकेट और करी से होती थी और उसके बाद कहा गया कि दोनों देशों के संबंध 'थ्री डी' पर आधारित हैं यानी डेमोक्रेसी (लोकतंत्र), डायस्पोरा (प्रवासी) और दोस्ती। मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने यह भी कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध 'थ्री ई' यानी एनर्जी (ऊर्जा), इकोनॉमी (अर्थव्यवस्था) और एजुकेशन (शिक्षा) पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''कभी 'सी' कभी 'डी' और कभी 'ई'। भारत और ऑस्ट्रेलिया के ऐतिहासिक संबंधों का विस्तार इससे कहीं ज्यादा बड़ा है।

ब्रिस्बेन शहर में भारत का नया कॉन्सुलेट खोला जाएगा: मोदी

सिडनी। आस्ट्रेलिया की यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को यहां घोषणा की कि ब्रिस्बेन शहर में भारत नया कॉन्सुलेट (वाणिज्य दूतावास) खोलेगा। मोदी ने कहा कि इससे ब्रिस्बेन में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों की लंबे समय से चल रही मांग पूरी होगी। मोदी ने यहां सिडनी ओलंपिक पार्क में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए ब्रिस्बेन में रहने वाले हमारे भारतीय समुदाय के लिए यह विशेष घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं घोषणा करता हूं कि ब्रिस्बेन में जो बहुत लंबे समय से आपकी मांग थी, उसे अब जल्द ही पूरा किया जाएगा...ब्रिस्बेन में भारत का नया कॉन्सुलेट खोला जाएगा।'' सभा में आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन तथा केंद्रीय एवं प्रांतीय सरकार के मंत्री तथा जनप्रतिनिध उपस्थित थे। सिडनी ओलंपिक पार्क का कुडोस एरेना 20 हजार से ज्यादा प्रवासी भारतीय से खचाखच भरा हुआ है। अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी ने यहां प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा, ''सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों के साथ जुड़ना बेहद खुशी की बात है।'' उन्होंने कहा, ''आज मैं आपके पास आया हूं, तो एक घोषणा भी करने जा रहा हूं। ब्रिस्बेन में भारतीय समुदाय की बहुत समय से जो मांग थी, उसे पूरा किया जाएगा। जल्द ही ब्रिस्बेन में भारत का एक वाणिज्य दूतावास खोला जाएगा।''

कर्नाटक विस चुनाव में बसपा की हार पर मायावती ने जिम्मेदार लोगों को लगाई फटकार

लखनऊ, (भाषा)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाल में सम्पन्न कर्नाटक राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारियों को कैडर के आधार पर पार्टी का जनाधार बढ़ाने की हिदायत दी है।

मायावती ने मंगलवार को यहाँ पार्टी के वरिष्ठ एवं जिम्मेदार पदाधिकारियों के साथ बैठक में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा की। इस दौरान बसपा प्रमुख ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की करारी हार पर सख्त नाराजगी जताई और कहा कि हर राज्य में पार्टी की तैयारी इस तरह से होनी चाहिए कि चुनाव में माहौल चाहे किसी भी पार्टी के पक्ष में हो मगर बसपा की स्थिति अच्छी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरफ खास ध्यान देने की जरूरत है। पार्टी द्वारा यहां जारी एक बयान के मुताबिक मायावती ने बैठक के दौरान कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी स्तर से रह गई कमियों की तरफ ध्यान दिलाते हुए पदाधिकारियों से कैडर के आधार पर पार्टी के जनाधार को बढ़ाने की हिदायत दी।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल को मिला ममता का साथ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में केंद्र द्वारा अध्यादेश के जरिए फिर से एलजी को पावर देने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कोलकाता पहुंचे। दिल्ली के सीएम ने कोलकाता में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की। बता दें कि केजरीवाल ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों से समर्थन मांगने के लिए देशव्यापी दौरे की शुरुआत की। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने केंद्र पर दिल्ली के लोगों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया और कहा कि अध्यादेश को राज्यसभा में पारित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अरविंद केजरीवाल के साथ मुलाकात के बाद बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि टीएमसी केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश का विरोध करेगी। साथ ही विपक्षी पार्टियों से साथ आने का अनुरोध करेगी।

सरकार 2 हजार रू के नोट पर श्वेत पत्र लाए : कांग्रेस

नई दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस ने 2000 रुपए का नोट वापस लेने के फैसले को लेकर केंद्र की आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार को एक श्वेत पत्र लाकर देश को यह बताना चाहिए कि 2000 रुपए का नोट क्यों लाया गया था और अब इसे वापस क्यों लिया जा रहा है। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार भारतीय मुद्रा की साख दाव पर लगा रही है और यह नोट बदलने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि काला धन रखने वालों के भव्य स्वागत का कार्यक्रम है। वल्लभ के मुताबिक, देश में 3.62 लाख करोड़ रुपए मूल्य के दो हजार के नोट नकदी के रूप में मौजूद हैं तथा इन 2000 रुपए के कुल नोटों की संख्या 181 करोड़ है। उन्होंने कहा, अगर एक व्यक्ति एक बार में 2000 के 5 नोट बदलता है तो बैंकों को अगले 4 महीने में 36 करोड़ बार-बार लेनदेन करने होगा। एक लेन-देन में 4 मिनट भी लगे तो अगले 4 महीने में नोट बदलने में बैंकों के लगभग 2.5 करोड़ घंटे लगेंगे। यानी अगले 4 महीनों में बैंकों की शाखाएं सिर्फ नोट बदलने में व्यस्त रहेंगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सरकार ने 30 सितंबर तक कालेधन के लिए खिड़की खोली है क्योंकि नोट जमा करने वालों और पैसे के स्रोत के बारे में कोई सवाल करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, देश के 11 करोड़ किसानों और छह करोड़ छोटे एवं मझोले कारोबारियों को दिक्कतों का सामना करना होगा। उन्हें भीषण गर्मी में कतार लगाकर नोट बदलवाने होंगे। जबकि उनके पास कुछ ही नोट होंगे। वल्लभ ने नोटबंदी को सबसे बड़ी संगठित लूट करार देते हुए कहा, सरकार को एक समग्र श्वेत पत्र लाना चाहिए। यह बताना चाहिए कि 2000 रुपए का नोट क्यों लाया गया और अब इसे क्यों वापस लिया जा रहा है।

सिक्ख समाज के पांचवे गुरु, गुरु अर्जुन देव की याद में मनाया शहीदी दिवस

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। सिक्ख समाज के पांचवे गुरु गुरु अर्जुन देव का शहीदी दिवस जगह जगह ठंडे शरबत की छबील लगाकर मनाया गया। इस अवसर पर निर्मल संतपुरा आश्रम के बाहर छबील लगाई गई। संत जगजीत सिंह शास्त्री ने कहा कि गुरु अर्जुन देव के शहीदी दिवस पर 4 मई से 23 मई तक रोजाना श्री सुखमनी साहिब का पाठ किया गया। जिसमे श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारे पहुंचकर माथा टेका। विश्व शांति और भाईचारे की अरदास की गई।

प्रेमनगर चौक स्थित निर्मल विरक्त कुटिया गुरुद्वारे के सामने छबील की सेवा करते हुए संचालक बाबा पंडत ने कहा कि गुरु अर्जुन देव सत्य की रक्षा के लिए शहीद हो गए लेकिन जुल्म के आगे नहीं झुके। उनके शहीदी दिवस पर छबील लगाकर लोगों को ठंडा शरबत पिलाया जाता है। गुरुओं के बताए मार्ग पर चलकर ही अपना जीवन सफल बनाए। सिक्ख समाज सेवा कार्य के लिए सबसे आगे रहता है। चंद्राचार्य चौक के पास सिक्ख यूथ फेडरेशन ने छबील लगाकर ठंडा शरबत वितरित किया। इस अवसर पर हर्षपाल सिंह, सोनू सिंह, मक्खन सिंह, अर्शदीप सिंह, मलकीत सिंह, परमजीत सिंह, गुलजिंदर सिंह बाजवा, पार्षद परमिंदर सिंह गिल, जोबन सिंह, प्रिंस, परमिंदर सिंह बाजवा, जुझार सिंह, राज सिंह निहंग, अमृतपाल सिंह, मालक सिंह, बसंत सिंह, जोगराज सिंह आदि उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल

uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

संसद भवन पर सियासत

संसद के भीतर सियासत का शोर मचता रहता है। अब यह कोई नई बात नहीं है, बल्कि देश की राजनीति का चरित्र उघड़ गया है। संसद भवन के परिसर में भी खूब हंगामा मचाया जाता रहा है। महात्मा गांधी का बुत शायद इसीलिए बनाया गया था, ताकि उसे साक्षी मान कर, उसकी प्रतिच्छाया में, विरोध-प्रदर्शन किए जा सकें। बहरहाल नया विवाद नए संसद भवन के उद्‌घाटन को लेकर पैदा किया गया है। कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने मांग की है कि यह उद्‌घाटन प्रधानमंत्री मोदी के बजाय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कराया जाए। बेशक राष्ट्रपति देश के संवैधानिक प्रमुख हैं। प्रथम नागरिक हैं और भारत सरकार तथा संसद उन्हीं के नाम पर चलाई जाती हैं। संयोग है कि देश की राष्ट्रपति आदिवासी महिला हैं और ऐसी प्रथम महामहिम हैं। गौरतलब यह भी है कि देश राष्ट्रपति प्रणाली से संचालित नहीं होता। हमारी प्रणाली संसदीय है और प्रधानमंत्री इसके प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ही देश के सर्वोच्च प्रत्यक्ष निर्वाचित जन-प्रतिनिधि भी हैं। वह भारत सरकार के कार्यकारी प्रमुख भी हैं। देश की तमाम गतिविधियों, परिस्थितियों, नीतियों और कूटनीति आदि का प्रथम दायित्व भी प्रधानमंत्री पर ही है। बेशक राहुल गांधी प्रधानमंत्री का चेहरा, नाम पसंद करें या नफरत करें, लोकतांत्रिक जनादेश का प्रचंड बहुमत उसे ही हासिल है, लिहाजा कुछ विशेषाधिकार भी हैं। स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ही ऐतिहासिक लालकिले से राष्ट्र को संबोधित करते हैं। गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी को महामहिम राष्ट्रपति सामूहिक परेड की सलामी लेते हैं, क्योंकि वह तीनों सेनाओं के 'सुप्रीम कमांडर' भी हैं। यह विवाद का विषय नहीं है कि लोकतांत्रिक जन-प्रतिनिधियों के सर्वोच्च मंदिर 'संसद' का उद्‌घाटन राष्ट्रपति करें अथवा प्रधानमंत्री करें।

दरअसल यह विशुद्ध राजनीति का मुद्दा बना दिया गया है। कांग्रेस और खासकर गांधी परिवार को नए संसद भवन के निर्माण पर आपत्ति थी और अब उद्‌घाटन को भी विवादित बनाया जा रहा है। कांग्रेस ने 'सेंट्रल विस्टा', जिसमें संसद भवन भी है, का खर्च 20,000 करोड़ रुपए प्रचारित कर देश को गुमराह किया था। उसे 'मोदी महल' करार दिया गया। उसे प्रधानमंत्री का 'अंधा अहंकार' बताया गया। 'आपराधिक बर्बादी' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल किया गया। प्रधानमंत्री की निजी महत्त्वाकांक्षा को उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी गई। कांग्रेस भूल गई कि यूपीए सरकार के दौरान, लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार के कार्यकाल में, नए संसद भवन की जरूरत का आकलन किया गया था।

राहुल और सोनिया गांधी को अच्छी तरह याद होना चाहिए, क्योंकि राहुल तब लोकसभा सांसद थे। नए संसद भवन में कुल 1272 सांसद बैठ सकेंगे और विभिन्न कक्षों का निर्माण 'हाईटेक' किया गया है। नई संसद पर भूकंप का भी कोई असर नहीं होगा। मौजूदा 'सेंट्रल हॉल' की व्यवस्था नहीं है, लेकिन 'संविधान हॉल' जरूर बनाया गया है। कांग्रेस को उद्‌घाटन की तारीख 28 मई पर भी आपत्ति है, क्योंकि उस दिन 'सावरकर जयंती' है। गांधी परिवार तो सावरकर को 'स्वतंत्रता सेनानी' मानने को तैयार नहीं है, लिहाजा अलग-अलग दलीलें दी जा रही हैं कि संसद की नई इमारत का उद्‌घाटन डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन पर कर लिया जाता, तो महान श्रद्धांजलि होती। इस विषय पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'गिग' अर्थव्यवस्था की त्रासदी

जाहिर है कि इस युग में नीति निर्माताओं से अपेक्षा है कि वे सभ्य समाज के निर्माण की ओर आगे बढ़ें, जंगल राज की तरफ नहीं। भारत सरकार से अपेक्षा है कि वह इन ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के श्रमिकों यानी गिग श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा हेतु योजनाएं बनाए

हाल ही में 'बलिंकिट' नाम की एक ई-कॉमर्स कंपनी के डिलीवरी कामगारों ने एक दिन की हड़ताल की थी जिसको मीडिया ने भी खासा महत्त्व दिया था। मामला यह था कि 'बलिंकिट' नाम की कंपनी जो उपभोक्ताओं को उनकी किराना आवश्यकताओं की आपूर्ति 10 मिनट से आधे घंटे के बीच में करने का दावा करती है, ने अपने डिलीवरी एजेंटों का मेहनताना घटाकर आधा कर दिया था। गौरतलब है कि इस बदलाव से पहले कंपनी प्रत्येक डिलीवरी पर डिलीवरी एजेंट को 25 रुपए दिया करती थी। आज से लगभग एक साल पहले तक डिलीवरी एजेंटों को 50 रुपए प्रति डिलीवरी दिया जाता था। डिलीवरी श्रमिकों का कहना है कि इस दौरान ईंधन की लागत में बेतहाशा वृद्धि हुई है, लेकिन उनका मेहनताना एक चौथाई रह गया है।

वास्तविकता यह है कि आज बड़े शहरों में युवा किसी अच्छे रोजगार के अभाव में डिलीवरी एजेंट के रूप में काम करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। शुरुआती दौर में ये श्रमिक भी अच्छा खासा कमा लेते थे, लेकिन मेहनताना कम होने के कारण अब उनकी आर्थिक हालत बहुत दयनीय हो गई है। वास्तविकता यह है कि वैकल्पिक रोजगार के अभाव में युवाओं के लिए डिलीवरी एजेंट के नाते काम करना उनकी मजबूरी हो गई है।

उधर ऐप आधारित टैक्सी सेवा प्रदान करने वाली 'ओला' और 'ऊबर' सरीखी कंपनियों ने भी टैक्सी ड्राइवरों से अत्यंत शोषणकारी तरीके से कमीशन वसूलना शुरू कर दिया है। इसके चलते ओला और ऊबर के ड्राइवर भी कई बार हड़ताल जैसे तरीके अपना चुके हैं। लेकिन ओला और ऊबर की शोषणकारी कमीशन नीति बदस्तूर जारी है। बलिंकिट के डिलीवरी एजेंटों की हड़ताल के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला है।

ओला, ऊबर के ड्राइवर हो, बलिंकिट, जोमेटो, स्वीगी इत्यादि के डिलीवरी एजेंट हो अथवा ऐप आधारित किसी अन्य सेवा प्रदाता पर पंजीकृत अन्य प्रकार के कामगार हों, जिनका रोजगार इन ऐप कंपनियों के रहमोकरम पर चलता है या जिनकी रोजी-रोटी इन ऐप से प्राप्त संदेशों के आधार पर माल की डिलीवरी अथवा सेवा के ऑर्डर पर निर्भर करती है, आज इन कंपनियों के द्वारा किए जा रहे शोषण से पीड़ित हैं। ऐसे सभी कामगार जो इस प्रकार से अस्थायी रूप से काम कर रहे हैं, उन्हें आजकल की भाषा में 'गिग वर्कर' कहा जाता है। आजकल गिग शब्द अत्यधिक प्रचलन में है। आज से दो-तीन दशक पहले तक गिग शब्द का अत्यधिक कम उपयोग होता था। गिग शब्द का अर्थ और गिग अर्थव्यवस्था और गिग वर्कर आदि शब्दों को समझना और समाज पर इसके प्रभावों को जानना जरूरी हो गया है। आज से दो-तीन दशक पहले कामगारों के दो प्रकार होते थे। एक, वेतनभोगी कर्मचारी और दूसरे, आकस्मिक श्रमिक। वेतनभोगी श्रमिक सामान्यतः स्थायी रूप से एक निश्चित वेतन और अन्य सुविधाओं के साथ नियुक्त होते हैं। इन श्रमिकों को हटाने के लिए एक निश्चित प्रक्रिया को अपनाया जाना जरूरी था। दूसरी तरफ आकस्मिक श्रमिक यानी केजुअल लेबर से अभिप्राय दिहाड़ीदार मजदूरों से होता है। इन मजदूरों को प्रत्येक दिन के हिसाब से मजदूरी मिलती है और उन्हें प्रतिदिन रोजगार की तलाश में जाना होता है। संगठित क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों की नियुक्ति स्थायी आधार पर होती है और उनके रोजगार की काफी हद तक सुरक्षा भी होती है। असंगठित क्षेत्र जैसे कृषि, कंस्ट्रक्शन और कई बार मैन्युफैक्चरिंग में दिहाड़ीदार मजदूरों का चलन देखने को मिलता है। सामान्यतः शिक्षित एवं प्रशिक्षित कामगार वेतनभोगी होते हैं और दिहाड़ीदार मजदूरों में अधिकांश अशिक्षित एवं अप्रशिक्षित मजदूर होते हैं।

आज के युग में इन दोनों वर्गों से इतर एक नए प्रकार के श्रमिक वर्ग 'गिग वर्कर' का निर्माण हुआ है। नई टेक्नोलॉजी के आधार पर ऑनलाईन प्लेटफार्म, क्लाउड वर्किंग, फ्रीलांस वर्कर, ई-कॉमर्स, सप्लाई चेन इत्यादि के रूप में यह नई श्रेणी उभरी है। यानी कहा जा सकता है कि नई टेक्नोलॉजी और नए बिजनेस मॉडल कहा जाता है, इस नई श्रमिक श्रेणी के जनक हैं।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

हृदय का तराजू

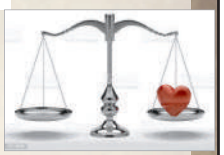

अक्सर कुछ लोगों को,
तजुर्बे जिंदगी के कम होते है
इसलिए तो बिना सोचे समझे,
शायद वह कुछ भी बोलते है,
लगता है ऐसे लोग शब्दों को,
अपने हृदय के तराजू में कम तोलते है।
बेवजह ही बोलकर कड़वी वाणी,
कद्र लोगों के जेहन में अपनी घटाते है।
इसके साथ ही जहर फिजा में घोलकर,
माहौल मुल्क का भी खराब कराते है।।

सचिन बेदी अधिवक्ता, हरिद्वार

सियासत के दंगल से मुक्त हो कुश्ती

प्रताप सिंह पटियाल

प्राचीन काल से भारत का सबसे लोकप्रिय खेल पारंपरिक कुश्ती रहा है। कुश्ती के सम्मान में हर वर्ष 23 मई को 'विश्व कुश्ती दिवस' मनाया जाता है। भारतीय ग्रामीण संस्कृति में मनोरंजन का साधन रही पारंपरिक कुश्ती को राजाओं ने संरक्षण प्रदान करके विकसित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया था। बिलासपुर के नलवाड़ मेले में होने वाले कुश्ती दंगल की रियासतकाल से ही देशव्यापी ख्याति रही है। जिला का कोटधार कस्बा पारंपरिक कुश्ती के पहलवानों का गढ़ रहा है। मगर विडंबना है कि देश की शान रही पहलवानी पर गर्दिश के बादल मंडरा रहे हैं। दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने पर बैठे देश के अंतरराष्ट्रीय पहलवानों के अश्क कुश्ती के दर्द को बयान कर रहे हैं। अखाड़ों में जोर आजमाईश करके कई कीर्तिमान स्थापित करने वाले पहलवानों का दंगल सियासत से हो रहा है। ओलंपिक खेल, विश्व चैंपियनशिप, एशियन गेम्स व कॉमनवेल्थ जैसे खेल मुकाबलों में भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक जीतने का श्रेय कुश्ती को ही जाता है। ओलंपिक में हॉकी के बारह पदकों के बाद सर्वाधिक सात पदक हमारे पहलवानों ने ही जीते हैं। सन-1920 के एंटवर्प ओलंपिक में रणधीर शिंदे व कुमार नावले नामक दो पहलवानों ने कुश्ती में पहली मर्तबा भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

आजाद भारत का पहला व्यक्तिगत ओलंपिक पदक पहलवान खशाबा जाधव ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कुश्ती में ही जीता था। सन 1934 में लंदन में आयोजित 'ब्रिटिश एम्पायर गेम्स' में भारत के पदार्पण में रेलवे के पहलवान राशिद अनवर ने 'कांस्य' पदक जीता था। इस प्रकार कॉमनवेल्थ खेलों का पहला पदक भी कुश्ती में ही था। सन-1954 में 'मनीला' में आयोजित दूसरे एशियाई खेलों में भारत के पहलवान 'खाशीद' ने 'रजत' व सोहन सिंह ने 'कांस्य' पदक कुश्ती में जीते थे।

पाकिस्तान को चार युद्धों में धूल चटाने वाली भारतीय सेना ने देश को कई अंतरराष्ट्रीय पहलवान दिए जिन्होंने वैश्विक खेल पटल पर पदक जीतकर भारतीय कुश्ती का गौरव बढ़ाया है। सन-1972 के 'म्युनिख' ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवान व कुश्ती का मुमताज चेहरा मास्टर चंदगी राम पहलवानी में एक बड़ा नाम रहा है। भारतीय कुश्ती को अंतरराष्ट्रीय पटल पर विशेष पहचान दिलाने वाले चंदगी राम का संबंध सेना की 'जाट रेजिमेंट' से था। माटी के अखाड़ों से लेकर मैट पर कुश्ती में कई पदकवीर तैयार करने तथा महिला कुश्ती को निखारने में चंदगी राम का विशेष योगदान रहा था। सन 1958 के 'कार्डिफ' राष्ट्रमंडल खेलों में कैप्टन लीलाराम (ग्रेनेडियर्स) ने कुश्ती में पहला 'स्वर्ण पदक' जीतकर नया इतिहास रचा था। 'पद्मश्री' लीला राम ने 1956 मेलबॉर्न व 1960 के रोम ओलंपिक में भी भाग लिया था।

'मेलबोर्न' ओलंपिक का हिस्सा रहे पहलवान सूबेदार देवी सिंह 'जाट रेजिमेंट' ने 1970 के 'एडिनबर्ग' राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक तथा सेना के ही ओलंपियन पहलवान विश्वनाथ सिंह व कैप्टन सज्जन सिंह दोनों ने रजत पदक जीते थे। 1966 के किंग्स्टन राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहलवान कैप्टन मुख्तियार सिंह ने 1968 के 'मैक्सिको' ओलंपिक में भी भाग लिया था। विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक 'कांस्य' भी सेना के पहलवान कैप्टन 'उदय चंद' (ग्रेनेडियर्स) ने 1961 में योकोहामा में जीता था। तीन ओलंपिक में भाग लेने वाले उदय चंद ने 1962 के जकार्ता एशियाई खेलों में 'रजत' तथा 1970 के एडिनबर्ग कॉमनवेल्थ खेलों में 'स्वर्ण' पदक जीता था।

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

जी-20 के लिए पहुँचने लगे विदेशी मेहमान

जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर पारंपरिक रूप से हुआ स्वागत, छोलिया दल के साथ विदेशी मेहमान भी जमकर झूमे

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

ऋषिकेश। नरेंद्रनगर में 24 व 25 मई को होने जा रही जी-20 बैठक के लिए विदेशी मेहमानों के पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया है। आज सुबह विदेशी डेलिगेट्स का एक ग्रुप जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पर पहुँचा जहां उनका पारंपरिक रूप से तिलक व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान छोलिया नृत्य की पारंपरिक वाद्य यंत्रों पर प्रस्तुति दी रहे कलाकारों को देखकर डेलिगेट्स खुद को नहीं रोक पाए और महिलाओं के साथ ही पुरुष डेलिगेट्स ने भी उत्तराखंड के गीत-संगीत पर कलाकारों संग सुंदर नृत्य किया। सभी मेहमान एयरपोर्ट पर हुई मेहमाननवाजी से काफी खुश एवं अभिभूत नजर आए। इसके बाद इन सभी को नरेंद्रनगर में जहां जी-20 के मुख्य आयोजन हैं वहां ले जाया गया।

परिजन को वापस पाकर दादी को मिली राहत

'जवानों से बोली दादी' आशीर्वाद बच्चों! भगवान तुम्हारा भला करे'

हरिद्वार। कल दिनांक 22.05.2023 को आरटीओ चौक भूपतवाला पर यातायात व्यवस्था देख रहे चौकी प्रभारी खड़खड़ी खेमेंद्र गंगवार व चेतक कर्मियों को दोपहर के समय कुछ राहगीरों ने एक बुजुर्ग नारायणी देवी पत्नी रामकरण निवासी पूर्णिया की ढाणी जिला जयपुर राजस्थान से मिलवाते हुए बताया कि उक्त बुजुर्ग महिला अपने साथियों से बिछड़ गई है और काफी देर से परेशान है। जनपद के चौकी थानों में बुजुर्ग महिला के बिछड़ने की सूचना को अग्रसारित करते हुए महिला को बैटरी रिक्शा में बैठा कर आसपास के पार्किंग में साथियों को तलाश करने का प्रयास किया गया। लगातार प्रयास के पश्चात बुजुर्ग दादी के परिजन को खोजने में कामयाबी हासिल करते हुए बुजुर्ग को उनके परिजन मनोज शर्मा के सुपुर्द किया गया। परिजन को वापस पाकर बुजुर्ग दादी ने राहत की सांस ली और परिजनों को तलाशने में अथक प्रयास करने पर पुलिस टीम को आशीर्वाद आभार प्रकट किया।

अब बिजली का बिल होगा इन लोगों के लिए सस्ता, यूपीसीएल बदलने जा रहा है अपना बिलिंग पैटर्न

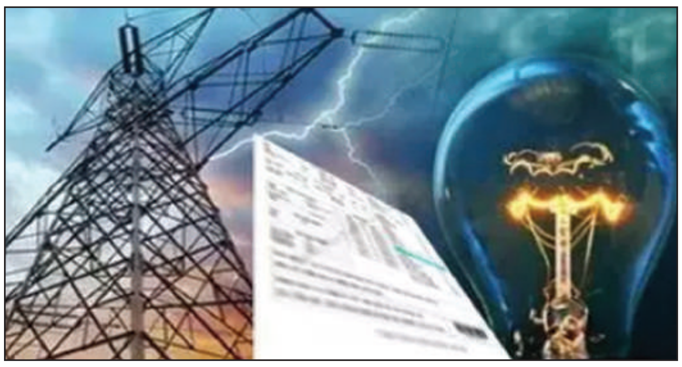

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। यूपीसीएल अब अपना बिलिंग पैटर्न बदलने जा रहा है। जिसका लाभ 20 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा। इससे अब आपका बिल कम आने की उम्मीद है। जी हां अब सभी घरेलू उपभोक्ताओं का बिल हर माह आएगा। विद्युत नियामक आयोग के आदेश के बाद यूपीसीएल ने उपभोक्ताओं की बिलिंग मासिक आधार पर किए जाने के लिए सभी क्षेत्रीय इकाइयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आइए जानते है दिशा-निर्देश ...

मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने नए टैरिफ में घरेलू उपभोक्ताओं को मासिक आधार पर बिलिंग करने के निर्देश दिए थे। पहले चरण में विद्युत वितरण खंड नगरीय हरिद्वार, काशीपुर, जसपुर, बाजपुर, सितारगंज, खटीमा, विद्युत वितरण खंड प्रथम रुद्रपुर के अधीन चार किलोवाट भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने बिजली बिल दिए जाएंगे। जुलाई से सभी उपभोक्ताओं को हर महीने बिल दिए जाएंगे। जिन उपभोक्ताओं की मार्च 2023 में बिलिंग की गई थी, उनकी अगली बिलिंग दो महीने के आधार पर मई में बिलिंग की जाएगी। बताया जा रहा है कि विद्युत वितरण खंड केंद्रीय देहरादून और ऋषिकेश के अधीन आने वाले घरेलू उपभोक्ताओं के मासिक आधार पर बिलिंग करने के आदेश पहले जारी किए गए थे।

ऐसे तय होगी बिजली यूनिट

ऊर्जा निगम ने एक महीने में 30.417 दिन तय किए हैं। अब यदि आपका बिजली बिल 50 दिन में आता है, तो आपकी 100 यूनिट तक बिजली खर्च तय करने का सिस्टम बदल जाएगा। 100 यूनिट को 50 से गुणा करने के बाद आने वाले आंकड़े को 30.417 दिन से भाग देने पर आनी वाली 164.38 यूनिट को पहला स्लैब माना जाएगा। इस तरह बिजली बिल का जो पहला स्लैब 100 यूनिट तक माना जाता है। वो 50 दिन के बिल पर पहला स्लैब 164.38 यूनिट माना जाएगा। इस तरह आम लोगों को पहले स्लैब के रूप में 64.38 यूनिट का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। यही फार्मूला अन्य स्लैब पर भी लागू होगा। नई व्यवस्था में फिक्सड चार्ज की गणना भी हर महीने की बजाय प्रतिदिन के अनुसार होगी।

अवैध खनन पर तत्काल रोक एवं स्टोन क्रेशर पर सीज की कार्रवाई: स्वामी शिवानंद

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

खनन सामग्री से लदे ट्रैक्टर के नीचे आने से दो की मौत व एक गंभीर रूप से घायल

हरिद्वार। मातृ सदन के स्वामी शिवानंद सरस्वती ने कहा कि हरिद्वार में खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है लेकिन स्टोन क्रेशर ऊपर धड़ल्ले से माल पहुंच रहा है ऐसे में यह तय है कि शासन प्रशासन और सरकार की शह पर अवैध खनन पूरी तरह से जारी है। मंगलवार को खनन सामग्री से लदे ट्रैक्टर के नीचे दबकर दो की मौत हो गई है वहीं एक जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। ऐसे में तत्काल अवैध खनन पर रोक लगाने एवं स्टोन क्रेशर कोशिश करने की मांग करते हैं ऐसा नहीं होने पर मातृ सदन आंदोलन करने के लिए विवश होगा।

मातृ सदन आश्रम में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए स्वामी शिवानंद ने कहा कि मंगलवार को सुबह-सुबह खबर आई है कि टांडा भागमल में एक खनन की अवैध ट्रॉली से 3 लोगों की हत्या हो गई है। जिनमें एक स्कूल के मास्टर जी, 5 साल की एक छोटी बच्ची और एक 6 साल का बच्चा शामिल हैं । रोड पर यह तीनों स्कूटी से जा रहे थे, इनमें से दो की स्पॉट पर ही मृत्यु हो गई । बच्ची की हालत अभी क्रिटिकल है । सूचना मिलने पर मातृ सदन के प्रमुख स्वामी शिवानंद महाराज, भारतीय किसान मजदूर उत्थान यूनियन के कुछ किसान नेताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिस्थिति का जायजा लिया । वस्तुस्थिति स्पष्ट है कि हाईकोर्ट के आदेश से खनन बंद है । राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के 9 अक्टूबर 2018 के आदेश से खनन और स्टोन क्रशिंग पर पूर्ण पाबंदी लगाई गई है, लेकिन इसका अनुपालन आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है । उल्लंघन को देखते हुए मातृ सदन को हाई कोर्ट जाना पड़ा । जिसके बाद हाईकोर्ट द्वारा खनन पर स्टे लगाया गया । इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के आदेश से स्टोन क्रेशर को भी गंगाजी से 5 किलोमीटर दूर करने का आदेश मौजूद है, लेकिन यह सभी आदेश पड़े रहते हैं और खनन धड़ल्ले से चलता रहता है । इसका दुष्परिणाम यह है कि खनन बंदी के आदेश के बाद भी खनन लगातार हो रहा है । स्वामी शिवानंद ने कहा मंगलवार को जब वह घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कि हर तरफ धड़ल्ले से ट्रैक्टर ट्रॉली खनन का माल ढो रहे हैं । 20-20 फीट गहरे गड्ढे ठीक सड़क के किनारे पड़े हुए हैं । वहां के लोगों ने यह भी बताया कि हाल ही में कम से कम 7 बार दुर्घटना हुई है और कई लोग मरे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन निष्क्रिय है । इसमें यह बता दें कि हाईकोर्ट की भी अपने कर्तव्य के प्रति जागरूकता का अभाव है । इन घटनाओं को लेकर जब भी हाईकोर्ट में केस दर्ज किया जाता है तब हाईकोर्ट इन मामलों को ऐसे लेती है जैसे यह कोई बहुत बड़ी घटना नहीं है, इसलिए दोषी खनन माफिया व अधिकारी बच जाते हैं और यह अवैध धंधा धड़ल्ले से लगातार ऐसेही चलता रहता है । इतना ही नहीं, हरिद्वार में तालाब निर्माण के नाम पर लगातार खनन किया जा रहा है । नदी के किनारे तालाब बनाने के नाम पर 40 फीट गड्ढे खोद दिए गए हैं । सरकार मछली पालन के लिए कमेटी बनाती है । जो वैज्ञानिक स्थल का निरीक्षण करने आए उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि यह गड्ढे इतने गहरे हैं कि इसमें मछली पालन नहीं हो सकता है । इसमें भी जब हाईकोर्ट में केस हुआ तो हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता पर ही नकेल कसनी शुरू कर दी । सर्वसाधारण के लिए हाईकोर्ट में लड़ाई करना संभव नहीं है । लेकिन सच बहुत बड़ा होता है । हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट अपनी जवाबदेही समझे । माननीय न्यायाधीश श्री राजीव शर्मा जी के आदेश से गंगा और यमुना जी को जीवित इकाई का दर्जा दिया गया जिसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे कर दिया गया । ऐसे सभी आदेश जो गंगा जी के हित में लिए गए, उन्हें सुप्रीम कोर्ट लगातार स्टे कर सालों से रखा हुआ है । परिणाम यह है कि मर्डर पर मर्डर होते चले जा रहे हैं । आज सुबह भी हमने घटनास्थल पर जाने से पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार को सूचना दी कि वह घटनास्थल पर अपने अधिकारियों को भेजें । हमें सूचना मिली कि डिप्टी एसपी और तहसीलदार मौके पर मौजूद हैं, लेकिन वह हमसे मिलने नहीं आए । सरकार और प्रशासन हाई कोर्ट में शपथ पत्र देते हैं कि खनन नहीं हो रहा है लेकिन आज जब हम मौके पर पहुंचे तो देखा हर तरफ भीषण खनन हो रहा है । इन सबके लिए मुख्यमंत्री धामी जी सबसे बड़े दोषी हैं ।

राजस्व प्राप्तियों के लिए एक माह में पूरा करें अपना लक्ष्य : मुख्यमंत्री

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। विभागों को राजस्व प्राप्तियों के लिए प्रत्येक माह का जो लक्ष्य मिला है, सभी विभाग उस लक्ष्य को हासिल करें, तभी राजस्व प्राप्ति का वार्षिक लक्ष्य हासिल कर पायेंगे। राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विभागों को ऑनलाईन सिस्टम पर और अधिक कार्य करने की जरूरत है। जीएसटी से राजस्व प्राप्तियां और बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए लोगों को बिल लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। ये निर्देश मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राजस्व प्राप्ति के सम्बंध में बैठक लेते हुए अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किये जाएं। विभागों को इसके लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्व वृद्धि के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। जिन क्षेत्रों में अपेक्षा के अनुरूप राजस्व की प्राप्ति नहीं हो पा रही है, इसके कारणों का गहनता से अध्ययन कर उसका उचित समाधान निकाला जाए। पूंजीगत व्यय पर विशेष ध्यान दिया जाए। विभागों को विभिन्न क्षेत्रों में जो पिछले सालों की रिकवरी करनी है, इस दिशा में ध्यान दिया जाए। खनन के क्षेत्र में राजस्व वसूली के लिए मजबूत ऑनलाईन सिस्टम बनाया जाए। वन क्षेत्रान्तर्गत के बरसाती नालों को चिन्हित कर चैनलाईज करने की दिशा में ध्यान दिया जाए। वन सम्पदाओं के बेहतर उपयोग की दिशा में वन विभाग को और सुनियोजित तरीके से कार्य करने की जरूरत है। वन सम्पदा के बेहतर उपयोग के लिए क्या नवाचार हो सकते हैं, इस दिशा में कार्य किये जाएं। वन पंचायतों के माध्यम से मेडिसिनल प्लांट के क्षेत्र में कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में यूपीसीएल एवं यूजेवीएनल को राजस्व बढ़ाने की जरूरत है। बिजली चोरी को पूर्णतया रोकने के लिए कारगर प्रयासों की जरूरत हैं। इसके लिए सूचना आधारित प्रणाली और विकसित करने पर ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा हर माह की जायेगी। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, दिलीप जावलकर, अरविन्द सिंह ह्यांकी, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, एच.सी. सेमवाल, विनोद रतूड़ी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य और उनका योगदान समृद्ध और समर्पित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण : ऋतु खंडूरी भूषण

श्रीनगर, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, बिड़ला परिसर श्रीनगर में स्व० कैप्टन विजयपाल सिंह नेगी जी की स्मृति में आयोजित दो दिवसीय अंतर संकाय सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिता कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी भूषण प्रतिभाग किया। दो दिवसीय अंतर संकाय सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने बड़ चढ़कर भाग लिया।विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्मृति चिन्ह भेंट कर विधानसभा अध्यक्ष खंडूरी भूषण का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने विश्वविद्यालय के निर्धन छात्र छात्राओं को शिक्षा में आर्थिक तौर पर मदद करने का आश्वासन दिया। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को समारोह की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समारोह में प्रतिभाग करके उन्हे गर्व हो रहा है। गढ़वाल विश्वविद्यालय एक ऐसा स्थान है जहाँ ज्ञान, संस्कृति, और सेवा के मूल्यों को महत्व दिया जाता है। आप सभी ने अपने शिक्षा-भंडार को समृद्ध किया है और अपने क्षेत्र में मान्यता प्राप्त की है। आपकी मेहनत, समर्पण और परिश्रम को मैं सराहना करती हूँ। उन्होंने कहा की आज के दिन यह भी स्पष्ट हुआ है कि आप सभी छात्र न केवल अध्ययन में माहिर हैं, बल्कि आपकी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिभा भी प्रशंसायोग्य है। यह आपके संपूर्ण विकास का प्रमाण है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा की आप सभी युवा ज्ञानार्जन केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय को मजबूती और महत्वपूर्णता प्रदान करते हो। युवा पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है और उनका योगदान समृद्ध और समर्पित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण है। खंडूरी ने छात्रों को अपने शिक्षा के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और वैज्ञानिक क्षेत्र में सक्षम और स्वयंसेवक बनने को कहा और उन्होंने छात्रों से उम्मीद करते हुए कहा छात्र अपने दायित्वों का पालन करेंगे और अपनी उच्चतम संभावनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

पिस्टल दिखा कर टोल का बूम तोड़ भगा युवक, मुकदमा दर्ज

परमेंद्र नारायण, उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

बहादराबाद। बीते रविवार की रात बहादराबाद टोल प्लाजा पर हरियाणा नंबर की कार में रुड़की से हरिद्वार की ओर आ रहे एक युवक ने टोल प्लाजा पर कर्मचारी को पिस्टल दिखा दी और टोल का बूम तोड़ कर भाग निकला जिससे टोल प्लाजा पर अफरातफरी मच गई। पूरी घटना वहां लगे सी सी टी वी कैमरो में कैद हो गई।टोल प्लाजा के कर्मचारियों ने थाना बहादराबाद में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। थाना अध्यक्ष नितेश शर्मा ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रोडवेज बस में युवती के साथ छेड़छाड़ केस दर्ज युवक गिरफ्तार

बहादराबाद। रुड़की कोचिंग सेंटर से रोडवेज बस में बैठकर बहादराबाद आ रही एक युवती के साथ बस में बैठे युवक ने छेड़-छाड़ कर दी। युवती की शिकायत पर पुलिस ने युवक के खिलाफ देर रात केस दर्ज कर युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला दो समुदायों से जुड़ा है।

सोमवार शाम रोशनाबाद थाना सिडकुल निवासी युवती रोज की तरह रुड़की कोचिंग सेंटर से यूपी रोडवेज बस से घर लौट रही थी। युवती का आरोप है कि उसकी बराबर में बैठे कलियर थाना क्षेत्र तेल्लीवाला गांव निवासी कुर्बान ने उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। विरोध करने पर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। बहादराबाद थाना प्रभारी नितेश शर्मा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी कुर्बान को भी गिरफ्तार कर मेडिकल जांच के बाद आज सुबह कोर्ट में पेश किया जहाँ से उसे जेल भेज दिया है।

25 मई को आएगा उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट

रामनगर। उत्तराखंड बोर्ड 10वीं और 12वीं परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों के लिए जरुरी खबर है। उत्तराखंड बोर्ड का 10 वीं और 12 वीं का रिजल्ट 25 मई को जारी किया जाएगा । रिजल्ट की घोषणा सुबह 11 बजे की जाएगी। उत्तराखंड 10वीं और 12वीं का रिज़ल्ट 25 मई को जारी होने के बाद छात्र उसे आधिकारिक वेबसाइट ubse.uk.gov.in और uaresults.nic.in पर जाकर चेक कर सकेंगे। परिणाम देखने के लिए छात्रों को अपने पास बोर्ड परीक्षा का एडमिट कार्ड साथ रखना होगा। बता दें इस साल हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा 16 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल को खत्म हुई थी। इन परीक्षाओं के लिए राज्य में 1253 केंद्रों में ढाई लाख से भी ज्यादा छात्र-छात्राओं ने परीक्षाएं दी थी। इसमें हाईस्कूल में 132115 व इंटर में 127324 स्टूडेंट शामिल हुए थे।

अगर आपके पास है 2000 के नोट और बैंक में जमा कराने की सोच रहे है तो ...

यह खबर आपके लिए ...

सुमित तिवारी / उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

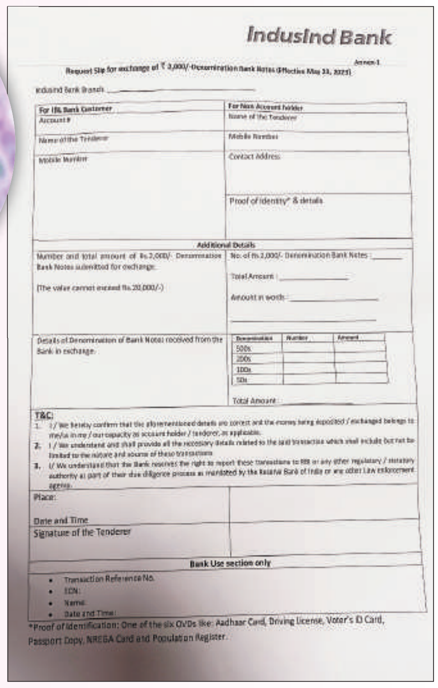

IndusInd Bank

Annex-1

Request Slip for exchange of ₹ 2,000/- Denomination Bank Notes (Effective May 23, 2023)

IndusInd Bank Branch ____________

For IBL Bank Customer	For Non Account holder
Account #	Name of the Tenderer
Name of the Tenderer	Mobile Number
Mobile Number	Contact Address
	Proof of identity* & details

Additional Details

Number and total amount of Rs.2,000/- Denomination Bank Notes submitted for exchange (The value cannot exceed Rs.20,000/-)	No. of Rs.2,000/- Denomination Bank Notes : ____ Total Amount : ____ Amount in words : ____
Details of Denomination of Bank Notes received from the Bank in exchange	Denomination / Number / Amount: 500s, 200s, 100s, 50s; Total Amount :

T&C:

1. I / We hereby confirm that the aforementioned details are correct and the money being deposited / exchanged belongs to me/us in my / our capacity as account holder / tenderer, as applicable.
2. I / We understand and shall provide all the necessary details related to the said transaction which shall include but not be limited to the nature and source of these transactions.
3. I/ We understand that the Bank reserves the right to report these transactions to RBI or any other regulatory / statutory authority as part of their due diligence process as mandated by the Reserve Bank of India or any other Law enforcement agency.

Place:

Date and Time

Signature of the Tenderer

Bank Use section only

- Transaction Reference No.
- EDN:
- Name:
- Date and Time:

*Proof of Identification: One of the six OVDs like: Aadhaar Card, Driving License, Voter's ID Card, Passport Copy, NREGA Card and Population Register.

देहरादून। जैसा कि आप सभी को पता है कि आरबीआई ने शुक्रवार को बाजार से 2 हजार का नोट प्रचलन बाहर करने का फरमान जारी कर दिया था। जिसके चलते भारत में लाखों करोड़ों लोगों के माथे पर फिर से चिंता की लकीरें दिखाई देने लगी थी। क्योंकि लोग अभी 2016 में हुई नोटबंदी भूले नहीं थे। जिस कारण बहुत से लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ा था।

ठीक उसी प्रकार अब जब 2000 की नोटबंदी हुई है तो बड़े लोगों में खलबली मच गई है। क्योंकि बड़ी संख्या में 2 हजार के नोट छोटे लोगों पर नही है। लेकिन मध्यम वर्गीय या अपर मध्यम वर्गीय या फिर हाई क्लास के लोगों को इस नोटबंदी ने सोचने पर मजबूर कर दिया है। कल आए आरबीआई गवर्नर शशिकांत दास के बयान से कुछ हद तक लोगों ने राहत की सांस ली थी लेकिन आज जब बैंकों में नोट को बदलने की प्रक्रिया शुरू हुई है तो चौकाने वाले परिणाम सामने आने लगे है।\ अगर आप भी बैंक में जाकर अपने 2 हजार के नोट बदलने की सोच रहे है तो इस खबर को पूरी पढ़ते जाइए क्योंकि यह खबर आपके काम की होने वाली है।

बैंको में कैसे बदले जाएंगे 2000 के नोट

- सबसे पहले जब आप बैंक में 2 हजार का नोट बदलने जाएं तो यह पुख्ता जरूर कर लें या सतर्क हो जाएं कि उस बैंक में आपका खाता होना चाहिए अन्यथा नोट नही बदलें जाएंगे।
- यदि आपका उक्त बैंक में खाता है तो बैंक की ओर से अपको एक फॉर्म मिलेगा जिसमे आपकी आपका नाम, बैंक अकाउंट नंबर, मोबाइल नंबर और नोटों की संख्या भरनी होगी। याद रहे आप इस समय अपने खाते से एक बार में, एक दिन में, 10 से ज्यादा 2 हजार के नोट नही बदल सकते।
- आपके खाते से साइन मैच हो जाने पर आपके अधिकतम 2000 बदल दिए जायेंगे। यदि इस पूरी प्रक्रिया में आपकी कोई भी चीज गलत पाई जाती है तो आपके नोट नही बदले जाएंगे।

क्या अपने खाते में जमा करा सकते है 2 हजार के नोट ?

- तो जवाब है जी हां, उत्तराखंड प्रहरी के एडिटर इन चीफ सुमित तिवारी ने जब indusind Bank के प्रबंधक ललित जोशी बात की तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया आज नोट बदलने का पहला दिन है। इसलिए लोगों को प्रयाप्त जानकारी न होने के कारण कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
- आप अपने खाते में 2 हजार के नोटों की कितनी भी रकम जमा करवा सकते है लेकिन आपके पास उन पैसों को जमा करवाने का पुख्ता प्रमाण होना चाहिए। ताकि कल के दिन अपको किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो। क्योंकि ज्यादा मात्रा में रकम जमा कराना भी जांच का विषय बन सकता है।
- इसलिए हम लोगों से अपील करते है कि समय समय पर केंद्र सरकार और आरबीआई के द्वारा दी जाने वाली जानकारी और गाइडलाइन को ध्यान पूर्वक समझे ताकि भविष्य में अपको कोई दिक्कत परेशानी न हों।

RBI: दुकानदारों को लेने होंगे 2000 के नोट, बड़े नोट के बदले सामान देने से नहीं कर सकते इनकार

नई दिल्ली। 2000 के नोट बदलने की प्रक्रिया मंगलवार से देश के सभी बैंकों में शुरू हो जाएगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को साफ किया कि 2000 रुपए के नोट को लेकर पैनिक होने की कोई जरूरत नहीं है। लोग बैंक में तो 2000 का नोट बदल ही सकते हैं, साथ ही किसी भी दुकान पर जाकर इस नोट से आसानी से सामान भी खरीद सकते हैं, क्योंकि कोई भी दुकानदार इस नोट को लेने से मना नहीं कर सकता।

उन्होंने साथ ही कहा कि लोग नोट बदलने के लिए बैंकों में भीड़ न लगाएं। हमने चार महीने का समय दिया है। आप आराम से नोट बदलिए, लेकिन समय सीमा को गंभीरता से लीजिए। 30 सितंबर तक ज्यादातर नोट हमारे पास आ जाएंगे और फिर हम इन्हें बंद करने या न करने पर फैसला करेंगे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि जो भी परेशानी आएगी, उसे हम दूर करेंगे। हम भी बैंकों के जरिए इस प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। चिंता वाली कोई बात नहीं है। करंसी मैनेजमेंट ऑपरेशन के तहत ही हमने 2000 के नोट सर्कुलेशन हटाने का काम शुरू किया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या 2000 के नोट सर्कुलेशन से बाहर करके 1000 के नोट दोबारा लाए जाएंगे, तो उन्होंने कहा कि ये खाली कयास हैं। अभी ऐसा कोई प्रपोजल नहीं है। उन्होंने बताया कि बैंकों से रोजाना जमा किए जाने वाले और बदले जाने वाले 2,000 के नोटों का ब्योरा रखने को कहा गया है। गौरतलब है कि आरबीआई ने 19 मई को 2000 रुपए के नोट बंद करने का ऐलान किया था और 30 सितंबर तक ऐसे नोट बैंकों में बदलने या अकाउंट में जमा करने को कहा है। स्टेट बैंक ने रविवार को 2000 का नोट बदलने के लिए गाइड लाइन जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि नोट बदलने के लिए किसी आईडी की जरूरत नहीं है। कोई फॉर्म भी नहीं भरना होगा। एक बार में 10 नोट बदले जा सकेंगे। स्टेट बैंक ने नोटिफिकेशन इसलिए जारी किया है, क्योंकि सोशल मीडिया पर नोट बदलने को लेकर अलग-अलग जानकारियां दी जा रही थीं। जिनसे लोगों में भ्रम फैल रहा था।

जनता की सुविधा के लिए बैंकों को शेड लगाने की सलाह

आरबीआई ने बैंकों को सलाह दी है कि वे 2000 रुपए का नोट बदलने या जमा करने आए लोगों को धूप से बचाने के लिए शेड का इंतजाम करें। साथ ही कतार में लगे लोगों के लिए पीने के पानी की भी व्यवस्था की जाए। बैंकों को नोट बदलने की सुविधा सामान्य तरीके से काउंटर पर उपलब्ध कराने को कहा गया है।

हाईकोर्ट पहुंचा दो हजार के नोट वापसी का मामला

भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में दो हजार रुपए के नोट को चलन से वापस लेने का ऐलान किया है। अब यह मामला दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गया है। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने एक जनहित याचिका दायर कर कहा है कि 2000 रुपए के नोट बिना किसी मांग पर्ची और पहचान प्रमाण के जमा कराने या अन्य छोटे मूल्य के नोट में नकद भुगतान किए जाने का आदेश मनमाना, तर्कहीन और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। उन्होंने याचिका पर जल्द सुनवाई किए जाने की मांग की है।

नोट बदलवाने के लिए लिमिट ज्यादा होने पर आधार कार्ड जरूरी

नईदिल्ली। 19 मई 2023 को 2000 के करेंसी नोट को सर्कुलेशन से बाहर करने का एलान किया गया था। 30 सितंबर तक इन नोटों को किसी भी बैंक में जाकर बदला जा सकता है। आरबीआई ने नोट को बदलने के लिए गाइडलाइंस भी जारी की है।

बैंक की गाइडलाइंस के मुताबिक आप एक दिन में 20, 000 रुपए यानी 2000 के 10 नोट बदलवा सकते हैं। लोगों को नोट बदलने के लिए किसी भी तरह का कोई फॉर्म नहीं भरना होगा। बैंक, नोट एक्सचेंज के लिए कोई चार्ज नहीं लेगा, साथ ही लोगों को कोई आईडी प्रूफ दिखाने की जरूरत नहीं है। भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी नोट एक्सचेंज को लेकर सर्कुलर जारी किया है। आप हर रोज 20 हजार तक मूल्य के नोटों को एक्सचेंज करवा सकते हैं। अकाउंट में पैसे डिपॉजिट करने की कोई लिमिट नहीं लगाई गई है। आपको बैंक में पैसे डिपॉजिट करते वक्त आरबीआई के बनाए नियमों को फॉलो करना होगा। अगर आप 50 हजार से ज्यादा कैश जमा करते हैं, तब आपको पैन कार्ड और आधार कार्ड दिखाना होगा। तब यह जरूरी हो जाएगा

रुपया 20 पैसे गिरा

मुंबई (वार्ता)। शेयर बाजार में जारी तेजी के बावजूद आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 20 पैसे कमजोर होकर 82.87 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 82.67 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे फिसलकर 82.71 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान लिवाली होने से 82.87 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली की बदौलत यह 82.70 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले दिवस के 82.67 रुपये प्रति डॉलर के मुकाबले 20 पैसे गिरकर 82.87 रुपये प्रति डॉलर रह गया।

मुंबई ने एशिया-प्रशांत के शीर्ष डेटा सेंटर बाजारों में बनाया प्रमुख स्थान: नाइट फ्रैंक

मुंबई, (वार्ता)। प्रॉपर्टी बाजार की वैश्विक कंसल्टेंट फर्म नाइट फ्रैंक की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत का मुंबई एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शीर्ष डेटा सेंटर बाजारों में एक प्रमुख बाजार के रूप में उभर रहा है। नाइट फ्रैंक ने वर्ष 2024 की पहली तिमाही के अध्ययन पर आधारित अपनी नवीनतम डेटा सेंटर रिपोर्ट में कहा है कि शंघाई (2,692 एमडब्ल्यू), टोक्यो (2,575 एमडब्ल्यू), और मुंबई (2,337 एमडब्ल्यू) एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शीर्ष डेटा सेंटर बाजारों के रूप में उभरे हैं। यह रिपोर्ट डेटा सेंटर रिसर्च और एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म "डीसी बाइट" के साथ मिल कर तैयार की गयी है और यह एशिया प्रशांत क्षेत्र में नौ तेजी से उभरते बाजारों पर केंद्रित है। इन शहरों में बैंकॉक, हांगकांग, कुआलालंपुर, मुंबई, सोल, शंघाई, सिंगापुर, सिडनी और टोक्यो शामिल हैं। मुंबई में वर्तमान परिचालित क्षमता का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 2022 में इस्तेमाल में आ गया था। कुल 2,337 मेगावाट की परियोजनाओं के साथ मुंबई शहर क्षेत्र में डेटा सेंटर सेवाओं की कुल क्षमता के मामले में तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार शंघाई, टोक्यो, सिडनी, सिंगापुर और हांगकांग में कॉल सेंटर की अधिकांश क्षमता चालू हालत में है और इन जगहों पर डाटा सेंटर परियोजनाओं का निर्माण तथा परिचालन तेज है और वहां इनकी मांग भी ऊंची है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाओं में चार वर्ष 60 लाख कुशल नौकरियां: कौंसिल

नयी दिल्ली, (वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाओं (ईएमएस) के क्षेत्र में वर्ष 2025-26 तक देश में 60 लाख से अधिक कुशल कामगारों की जरूरत होगी और इसका बाजार करीब 215 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह बात इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) द्वारा इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन की कमी पर एक आध्यान रिपोर्ट में आयी है।

कौंसिल की अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार इस करीब 12 लाख लोग इस क्षेत्र में कार्यरत है और इस क्षेत्र में 2016-2022 के दौरान नौकरियों के अवसरों में वार्षिक 45 की दर से वृद्धि हुई। ईएसएससीआई के चेयरमैन अमृत मनवानी ने कहा कि देश के ईएमएस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। पीएलआई योजना और स्किल्ड वर्कफोर्स के कारण प्रमुख वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का रुझान भारत की ओर बढ़ा है। लोगों की आय में बढ़ोतरी और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में मांग बढ़ने की वजह से यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। भारत में इस समय ईएमएस उद्योग का आधा मानव संसाधन संसाधन मोबाइल फोन विनिर्माण में लगा है। बाकी के लोग कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग, असेंबलिंग और लॉजिस्टिक सेवाओं में लगे हुए हैं। कोविड-19 के बाद बदलते परिदृश्य और चीन में विनिर्माण की बढ़ती लागत की वजह से दुनिया के तमाम बड़ी कंपनियों ने भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और अन्य दक्षिण पूर्व के देशों की ओर रुख किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के साथ-साथ आईटी हार्डवेयर और संशोधित इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर योजना (ईएमसी 2.0) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी सरकारी योजनाओं से ईएमएस क्षेत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों जैसे मोबाइल फोन, कंप्यूटर (डेस्कटॉप/लैपटॉप), और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मांग बढ़ने से ईएमएस क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

टी-20 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं, विराट कोहली की ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप से पहले विपक्षी टीमों को चेतावनी

बंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने अगले साल कैरिबियाई क्षेत्र और अमरीका में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले विपक्षी टीमों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वह टी-20 क्रिकेट में अपने शीर्ष पर हैं। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 61 गेंद पर 101 रन की शतकीय पारी खेली और 133 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी आरसीबी को 197 रन के स्कोर तक पहुंचाया। कोहली ने शतक जडऩे के बाद कहा, मैं बेहतरीन महसूस कर रहा हूं। कई लोगों को लगता है कि मेरे टी-20 क्रिकेट का स्तर गिर रहा है, लेकिन मैं ऐसा बिल्कुल नहीं समझता। मुझे लगता है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं अपने खेल का आनंद ले रहा हूं। कोहली आस्ट्रेलिया में हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप में 98.66 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 296 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे, हालांकि उन्होंने उसके बाद से भारत के लिए कोई टी-20 मैच नहीं खेला। इससे पहले कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनकी फॉर्म को लेकर सवाल उठाये जाते, उन्होंने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी आलोचकों को शांत कर दिया कोहली ने कहा, मेरी कोशिश रहती है कि मैं चौके लगाता रहूं और अंत में मौका मिलने पर बड़े शॉट खेलूं। आपको परिस्थितियों को पढक़र खेलना होता है।

बंगलुरु। विराट कोहली के घुटने में आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान चोट लग गई। वह मैच के आखिरी समय में मैदान पर नहीं थे। डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले कोहली को ऐसी चोट लगना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, आरसीबी के हेड कोच संजय बांगड़ ने कहा कि यह चिंताजनक नहीं है। कोहली ने शतक जडऩे के बाद विजय शंकर का शानदार कैच लिया था, लेकिन इस बीच उनका घुटना चोटिल हो गया। कोहली की मदद करने के लिए फिजियो आया, लेकिन इस स्टार बल्लेबाज को मैदान छोडऩा पड़ा और वह अंतिम पांच ओवर में डगआउट में बैठे रहे।

अल्काराज़ ने फिर पहना नंबर एक का ताज

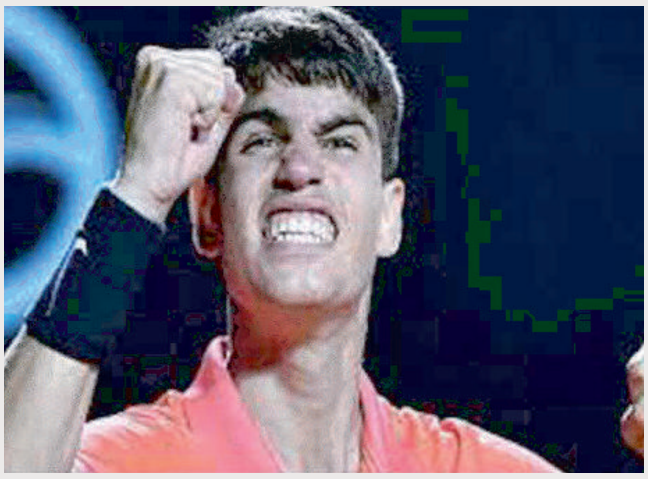

लंदन, (वार्ता) स्पेन के युवा सनसनी टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पायदान पर लौट आये। पेशेवर टेनिस खिलाड़ी संघ (एटीपी) की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, अल्काराज़ 6815 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। अल्काराज़ को नंबर एक पर लौटने के लिये पिछले हफ्ते हुए इटालियन ओपन में सिर्फ एक मैच खेलने की जरूरत थी। वह इस प्रतियोगिता में तीसरे राउंड तक पहुंचे जहां हंगरी के फेबियन मरोज़ान ने उन्हें शिकस्त दे दी। अपने हमवतन और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल की अनुपस्थिति में 20 वर्षीय अल्काराज फ्रेंच ओपन के टॉप सीड खिलाड़ी होंगे। डेनियल मेदवेदेव ने इटालियन ओपन के फाइनल में होल्गर रूने को हराकर विश्व रैंकिंग में नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। क्वार्टर फाइनल में रूने से हारने वाला जोकोविच तीसरे स्थान पर खिसक गये। दूसरी ओर, फाइनल में मेदवेदेव के हाथों हारने के बावजूद डेनमार्क के 20 वर्षीय रूने ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंक अर्जित कर ली। पुरुष युगल रैंकिंग में भारत के रोहन बोपन्ना ने सात साल बाद शीर्ष 10 में वापसी की है। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन रोम में दूसरे दौर में हार गये थे, लेकिन मौजूदा चैंपियन मेट पाविक और निकोला मेक्टिक के शुरुआती दौर में हारने से भारतीय खिलाड़ी दो पायदान ऊपर चढ़ गये।

अतंरराष्ट्रीय

मेक्सिको मध्य अमेरिकियों को अस्थायी कार्य वीजा देगा

मेक्सिको सिटी, (वार्ता)। मेक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने कहा कि देश में मध्य अमेरिकियों को अस्थायी कार्य वीजा प्रदान करने की योजना तैयार की गयी है। राष्ट्रपति ने अपने दैनिक ब्रीफिंग में कहा कि मेक्सिको को बड़े पैमाने पर अपनी अवसंरचना परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त श्रमशक्ति की आवश्यकता है, जैसे कि दक्षिण-पूर्व माया क्षेत्र से एक ट्रेन मार्ग। ओब्राडोर ने मेक्सिको सिटी के नेशनल पैलेस में संवाददाताओं से कहा कि हमारे पास परियोजनाओं के लिए जनशक्ति का अभाव है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह मैं हमारे मध्य अमेरिकी भाइयों के लिए एक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा हूं जिससे उन्हें मेक्सिको में सार्वजनिक परियोजनाओं पर काम करने के लिए अस्थायी वीजा प्राप्त हो सके और वे अस्थायी कार्य वीजा के साथ कानूनी रूप से हमारे देश में रह सकें। उन्होंने कहा कि मेक्सिको को विशेष रूप से वेल्डर और इंजीनियरों की आवश्यकता है।

लोपेज़ ओब्राडोर का प्रशासन दिसंबर 2018 में सत्ता में आया था और उसने बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों के प्रवाह में कमी लाने की मांग की, मुख्य रूप से मध्य अमेरिका से, जो अमेरिका पहुंचने के लिए मेक्सिको को पार करना चाहते हैं। जैसा कि अमेरिका ने अपनी आव्रजन नीति को कड़ा कर दिया है, कई प्रवासी मेक्सिको में ही रह जाते हैं।

गुयाना के स्कूल में आग लगने से कम से कम 20 छात्रों की मौत

जॉर्ज टाउन (वार्ता/शिन्हुआ)। दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना में सोमवार को रात में लगी आग में कम से कम 20 बच्चों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राजधानी जॉर्ज टाउन से लगभग 320 किमी दक्षिण में महदिया के दक्षिण-पश्चिमी सीमावर्ती शहर में स्थित एक माध्यमिक विद्यालय छात्रावास में सोमवार आधी रात के बाद आग लग गई। स्थानीय मीडिया ने गुयाना के राष्ट्रपति इरफ़ान अली के हवाले से कहा, "जॉर्जटाउन के दो प्रमुख अस्पतालों को तैयार किया जाएगा ताकि हर एक बच्चे को ध्यान देने की आवश्यकता हो, उसे ध्यान देने का सर्वोत्तम संभव अवसर दिया जाए।" स्कूल कथित तौर पर 12 से 18 वर्ष की आयु

के ज्यादातर स्थानीय बच्चों की सेवा करता है।

अमेरिका प्रतिबंध थोपेगा या नहीं , नहीं जनता : मोमेन

ढाका (वार्ता) बंगलादेश के विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमन ने कहा है कि उनके देश पर अमेरिका के प्रतिबंध लगाने या नहीं लगाने के संबंध में वह कुछ नहीं जानते। मोमन ने कहा कि वे कहते हैं कि हम कुछ नहीं करते। उन्होंने कहा कि अमेरिका हजारों प्रतिबंध लगा रहा है। उन्होंने सोमवार को विदेश मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष में प्रधानमंत्री की कतर यात्रा पर एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, " प्रतिबंध दुर्भाग्यपूर्ण होगा। मंत्री ने कहा, "मुझे आशा है कि वे (अमेरिका) होश में आएंगे।" उन्होंने कहा कि अमेरिका से हाल ही में एक प्रतिनिधि आया था, और उनकी टिप्पणियां बहुत सकारात्मक थीं। उस स्थिति में, हम आपके द्वारा दी गई जानकारी को नहीं जानते हैं। मोमन ने एक दैनिक समाचार पत्र की रिपोर्ट में दी गई जानकारी को झूठा बताते हुए कहा, "इसमें कहा गया है कि मैं मंत्री बनने से पहले एक चीनी संगठन में लॉबिस्ट के रूप में काम करता था, जो पूरी तरह से गलत है बल्कि आप कह सकते हैं कि मैं इसमें रहा हूं।

छोटी खबरें

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा; ट्रक-बस की टक्कर में 8 लोगों की गई जान, 13 अन्य घायल

बुलढाणा/नागपुर। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में तेज रफ्तार ट्रक और बस की टक्कर से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को दी। यह दुर्घटना महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में सिंदखेड़राजा के समीप मुंबई-संभाजीनगर-नागपुर राजमार्ग पर आज सुबह लगभग छह बजे हुई। उन्होंने कहा कि बस संभाजीनगर से वाशिम की ओर जा रही थी, तभी बुलढाणा के सिंदखेड़राजा में पलासखेड चक्का गांव के पास एक तेज रफ्तार की ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है और घायलों का इलाज सिंदखेड़राजा के ग्रामीण अस्पताल में चल रहा है। मृतकों एवं घायलों पहचान अभी तक नहीं हो सकी है और पुलिस इस घटना की जांच कर रही है।

बिश्नोई गैंग से मिली पिस्टल से हुआ था अतीक का मर्डर, लॉरेंस का NIA के सामने कबूलनामा

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई ने एनआईए के सामने खुलासा किया है कि साल 2021 में उसने अमरीका से गोल्डी बराड़ के जरिए गोगी गैंग को दो जिगाना पिस्टल दी थीं। ऐसे में साफ है कि अमरीका से मंगवाई गई इन्हीं पिस्टल से अतीक और अशरफ की हत्या की गई थी, क्योंकि अतीक को मारने वाले तीनों शूटर्स ने इस बात को यूपी पुलिस के सामने कबूल किया था कि उन्हें जिगाना पिस्टल गोगी गैंग से मिली थीं। लॉरेंस बिश्नोई ने एनआईए के सामने कई और चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि उसकी लिस्ट में टॉप 10 टारगेट कौन-कौन थे और किस वजह से वे उसकी सूची में आ गए थे। लॉरेंस ने अपने कबूलनामे में कहा कि कि विक्की मुद्दुखेड़ा के कत्ल का बदला लेने के लिए उसने सितंबर/अक्तूबर 2021 में तीन शूटर्स शाहरुख, डैनी और अमन को सिद्धू मूसेवाला के कत्ल के लिए उसके गांव भेजे थे। गांव में रुकने के लिए उनकी मदद मोना सरपंच और जग्गू भगवानपुरिया ने की थी, लेकिन बाद में इन शूटर्स ने बताया कि सिद्धू मुसेवाला को मारने के लिए कुछ और शूटर्स को शामिल करना पड़ा। इस दौरान लॉरेंस कनाडा में गोल्डी बराड़ के संपर्क में भी था। लॉरेंस ने एनआईए की पूछताछ में कबूल किया कि सिद्धू मुसेवाला की हत्या की साजिश तैयार करते वक्त हवाला के जरिए 50 लाख रुपए कनाडा में गोल्डी बराड़ को भिजवाए थे। उसने बताया कि साल 2018 से लेकर 2022 के बीच लॉरेंस ने यूपी के खुर्जा से अपने करीबी गैंगस्टर रोहित चौधरी की मदद से आम्र्स सप्लायर कुर्बान चौधरी शहजाद से करीब दो करोड़ रुपए में 25 हथियार खरीदे थे, जिसमें 9 एमएम की पिस्टल और एके 47 शामिल हैं। इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल सिद्धू मुसेवाला के कत्ल में हुआ था।

पहलवान नार्को टेस्ट के लिए तैयार, यौन उत्पीडन के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की चुनौती स्वीकारी

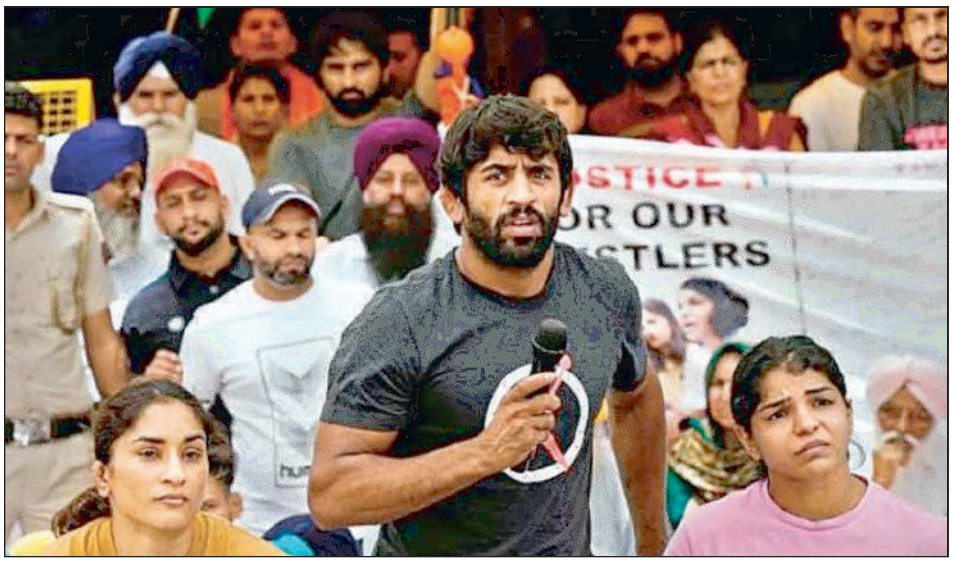

नईदिल्ली। भाजपा सांसद और रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा दी गई चुनौती को स्वीकार करते हुए महिला पहलवानों ने कहा है कि हम नार्को टेस्ट कराने को तैयार हैं। नार्को टेस्ट हो और इसे लाइव किया जाए। दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को कहा था कि वह यौन उत्पीडन के आरोपों का सामना करने के लिए नार्को टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस एक शर्त के साथ कि विरोध करने वाले पहलवान भी इससे गुजरेंगे। महिला पहलवान विनेश फोगट ने सोमवार को कहा कि न केवल वह स्वयं बल्कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत करने वाली सभी लड़कियां इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं बृजभूषण को बताना चाहूंगी कि केवल विनेश ही नहीं, बल्कि जिन लड़कियों ने शिकायत की है, वे सब नार्को टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं। इसे लाइव किया जाना चाहिए, ताकि देश की बेटियों के प्रति उनकी क्रूरता के बारे में पूरा देश जान सके। बजरंग पूनिया ने भी कहा कि हम सभी किसी भी टेस्ट के लिए तैयार हैं, लेकिन इसे सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराया जाए। नार्को टेस्ट लाइव हो, ताकि सवाल और जवाबों को पूरा देश सुने। बृजभूषण के 15 रुपए के मेडल वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मेडल का ही नहीं, बल्कि तिरंगे का भी अपमान है। क्योंकि जब हम मेडल जीतते हैं, तो तिरंगे को सिर पर उठाकर चक्कर लगाते हैं। बजरंग पूनिया ने कोच विनोद तोमर, जितेंद्र और धीरेंद्र का भी नार्को टेस्ट कराने की मांग की है। इससे पहले बृजभूषण शरण सिंह ने ट्वीट किया था कि मैं नार्को टेस्ट, पॉलीग्राफ टेस्ट या लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने के लिए तैयार हूं, लेकिन मेरी शर्त है कि विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को भी एक ही समय पर एक ही परीक्षा से गुजरना होगा। यदि दोनों पहलवान इससे गुजरने के लिए सहमत हैं, तो एक प्रेस कान्फ्रेंस बुलाएं और घोषणा करें। मैं उनसे वादा करता हूं कि मैं परीक्षा के लिए तैयार हूं। मैं अपनी बात पर कायम हूं और देशवासियों से हमेशा अटल रहने का वादा करता हूं।

संगठन में बदलाव पर करेंगे विचार, हमीरपुर में बोले बिंदल, कांग्रेस ने झूठे वादों से हासिल की सत्ता

हमीरपुर। उपचुनावों, नगर निगम चुनावों या फिर इस बार के विधानसभा चुनावों में बीजेपी के पिछडने के कारणों पर पार्टी मंथन कर रही है। हालांकि एक बात तो साफ है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की झूठी गारंटियों के झांसे में आई है, जिसका जवाब कांग्रेस को भविष्य में देना मुश्किल हो जाएगा। यह कहना है भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल का। सोमवार को हमीरपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अगर कहीं पार्टी पिछड़ी भी है तो उसे फिर से खड़ा किया जाएगा। जहां तक संगठन में बदलाव और विधानसभा चुनावों में बगावत करने वालों का प्रश्न है, तो पार्टी सामूहिक रूप से बैठकर इस पर विचार करेगी कि क्या करना है। डा. बिंदल ने कहा कि 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा सरकार अपने नौ वर्ष पूर्ण करने जा रही है। आने वाले समय में भाजपा मोदी सरकार की उपलब्धियों को कैंपेन के रूप में जनता के बीच लेकर जाएगी। एक सवाल के जवाब में बिंदल ने कहा कि लोकसभा चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री धूमल और शांता कुमार की खास भूमिका रहेगी।

सभी वर्गों का रखा ध्यान

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने कहा कि यह हम सब के लिए हर्ष का विषय है कि 30 मई को मोदी सरकार अपने नौ वर्ष पूर्ण करने जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीब शोषित वंचितों के कल्याण हेतु समर्पित है। आज देश का गौरव विश्व पटल पर लगातार बढ़ रहा है।

कांगड़ा पहुंचे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, गगल एयरपोर्ट पर मंत्रियों-नेताओं ने किया स्वागत

कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू जी मंगलवार सुबह कांगड़ा दौरे पर पहुंचे। कृषि मंत्री चौधरी चंद्र कुमार, शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, सीपीएस आशीष बुटेल, विधायक सुधीर शर्मा, रघुवीर बाली, केवल सिंह पठानिया, यादविंद्र गोमा, भवानी सिंह पठानिया इत्यादि ने गगल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री जी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया।

नशे में धुत कार चालक ने रौंदे तीन बच्चे

सुंदरनगर। नशे में धुत कार चालक ने प्रवासी मजदूरों के तीन बच्चों को अपनी कार से रौंद डाला। हादसे में एक बच्ची की मौत हो गई है, जबकि दो बच्चों का मेडिकल कालेज नेरचौक में उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार मंडी जिला के पुलिस थाना सुंदरनगर के अंतर्गत सोमवार देर शाम ग्राम पंचायत कलौहड़ के धनेश्वरी व रोपा गांव के समीप एक बेकाबू आल्टो कार ने प्रवासी मजदूरों के 3 बच्चों को जोरदार टक्कर मार दी। घायल बच्चों की शिनाख्त 8 वर्षीय सत्यम, 10 वर्षीय अनुपमा और 12 वर्षीय दुर्गा के रूप में हुई है। हादसे के समय कार को जाभी राम पुत्र शिवराम गांव धरोट डाकघर बरौहकड़ी तहसील निहरी जिला मंडी चला रहा था। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों द्वारा तीनों घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए सिविल हास्पिटल सुंदरनगर लाया गया, जहां से डाक्टरों ने प्रारंभिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज नेरचौक रैफर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान 10 वर्षीय अनुपमा ने दम तोड़ दिया, जबकि बाकी दो घायल बच्चों का उपचार जारी है। पंचायत समिति कलौहड़ के सदस्य महेश शर्मा हादसे की सूचना मिलते ही तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और अस्पताल जाकर बच्चों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि चालक शराब के नशे में धुत था और लोगों को गुमराह करने के लिए अपनी जानकारी छिपा रहा था। पुलिस ने आरोपी का मेडिकल करवाकर कार्रवाई शुरू कर दी है। डीएसपी सुंदरनगर दिनेश कुमार ने बताया कि कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। कार चालक का मेडिकल सिविल अस्पताल में करवाया गया है। उन्होंने बताया कि एक बच्ची की मौत हो गई है, जबकि दो का उपचार जारी है।

पहाड़ की आवाज सुनो कार्यक्रम में, पहाड़ी कलाकारों ने बिखेरा जलवा

कलाकारों ने नृत्य और गायन के माध्यम से किया पहाड़ी लोक कला और संस्कृति को उजागर

प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश करने वाले अभ्यर्थियों का होगा देहरादून में आडिशन

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। आरोग्य मेडिसिटी हास्पिटल के संस्थापक डॉ महेन्द्र सिंह राणा ने कहा कि आवाज सुनो पहाड़ों की, के शीर्षक को उद्देश्य बनाकर शारदा स्वर संगम संस्था नवोदित गायक/गायिकाओं एवं नृतक/नृत्यांगनाओं को उत्तराखंड, दूरदर्शन पर प्रवीणता प्रस्तुति के लिए मंच प्रदान करती है। इसके साथ ही पहाड़ की समस्याओं को दुनियां के सामने लाकर समाधान का मार्ग तलाश करना है।

गौरतलब है कि सुदूरवर्ती इलाकों में छिपी पहाड़ी कलाकारों की प्रतिभा को विश्व मंच पर पहचान दिलाने के लिए शारदा स्वर संगम के निर्माता निर्देशक नरेंद्र रौथान की ओर से अथक प्रयास किया जा रहा है। इस कड़ी में दूरदर्शन उत्तराखंड पर प्रत्येक रविवार को प्रसारित होने वाले कार्यक्रम आवाज सूनों पहाड़ों की कार्यक्रम का आडिशन बीते दिवस 21 मई को स्थानीय प्रेमनगर आश्रम में इसका विशाल तरीके से रखा गया। यह ऑडिशन हरिद्वार के सुप्रसिद्ध आरोग्य मेडिसिटी इंडिया के संस्थापक, सामाजिक कार्यकर्ता और कला प्रेमी डॉ० महेंद्र राणा के सौजन्य से रखा गया। शारदा स्वर संगम संस्था के संयोजक नरेंद्र रौथाण एक बड़े भगीरथ प्रयास के साथ पहाड़ों की इस लोक कला और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना चाहते हैं। इसी का उद्घोष है पहाड़ों की आवाज सुनो। उनका उद्देश्य है कि कोई भी ऐसी प्रतिभा जिसको अपनी नैसर्गिक कला का प्रदर्शन करने के लिए अभी तक कोई उचित मंच नहीं मिला या किसी अन्य कारणों से वह अपनी मेहनत को सफल नहीं कर सकी है, उसके लिए बहुत सरल सुलभ ढंग से पहाड़ों की आवाज सुनो कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मल्खित रौथाण के संचालन में देर तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों, युवक एवं युवतियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल ने अपने कौशल से इन प्रतिभागियों के साथ-साथ उनके अभिभावक और विशेषकर माताओं को भी गायन और नृतन के लिए उत्साहित कर दिया। निर्णायक मंडल द्वारा चयनित अभ्यर्थियों की घोषणा तत्काल कर दी गई। गायन में हर्ष सिंह, ज्योति भट्ट, योगिता राजपुरोहित, अभिषेक रावत, पंकज कुमार, सपना अग्रिम सक्सेना, अजीत सिंह धामी ने अपनी मखमली आवाज का जादू बिखेरते हुए प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं नृत्य में श्रुति मिश्रा, खुशी, कृतिका रोतेला, अरना व्यास, सृष्टि बड़ोला ने अगले चरण में प्रवेश कर लिया है। इन अभ्यर्थियों को अगला ऑडिशन देहरादून में देना होगा। वहीं असफल अभ्यर्थियों के लिए आगे अच्छा प्रयास के बाद पुनः प्रतिभाग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में नगर के गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। हरिद्वार ऑडिशन के सफल समापन के लिए सभी प्रतिभागी बच्चों, उनका उत्साहवर्धन करने पहुंचे हरिद्वार के गणमान्य अतिथिगण, कार्यक्रम के डायरेक्टर नरेंद्र रौथान, मंच संचालक मलकीत रौथान, निशुल्क स्थल उपलब्ध करने के लिए प्रेम नगर आश्रम के संस्थापक एवं कैबिनेट मंत्री, उत्तराखंड सतपाल महाराज, स्थानीय प्रबंधक पवन भाई, रमणीक भाई, निर्णायक की भूमिका निभाने के लिए कार्तिक कुमार आदरणीय गुरुदेव डॉ हरिनारायण जोशी, नन्दलाल भारती जी, दीदी करुणा चौहान जी, बीएन कंस्ट्रक्शन प्रा.लि.व पूर्वांचल उत्थान संस्था के महासचिव बी एन राय जी, वरिष्ठ पत्रकार विकास कुमार झा, समाजसेवी विश्वास सक्सेना एवं दिन रात अथक मेहनत करने वाली पूरी प्रोडक्शन टीम का आभार जताया।

ग्राम पंचायत के परिवार रजिस्टर में दर्ज हुए नामो की होगी उच्च स्तरीय जांच

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

पिथौरागढ़। विकासखंड मुनस्यारी के चीन सीमा से लगे ग्राम पंचायतों में मुनस्यारी विकास खंड से बाहर के निवासियों के नाम ग्राम पंचायत के परिवार रजिस्टर में दर्ज होने की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। इसके लिए एक समिति बनाई गई है। संवधित परिवार के अलावा तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान को नोटिस भेजने की तैयारी की जा रही है। ग्राम पंचायतों की बैठक में अनुपूरक योजनाओं को आनलाइन नहीं किए जाने पर नाराज़गी जताई गई।

विकास खंड कार्यालय के सभाकक्ष में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया द्वारा बुलाई गई समीक्षा बैठक में इन मसलों पर चर्चा हुई। समीक्षा बैठक में जिपंस जगत मर्तोलिया ने कहा कि ग्राम पंचायत की बैठक में आने वाले प्रस्तावों को धरातल पर उतारने की दशा में कोई भी लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बीते दिनों हुई ग्राम पंचायतों की बैठक में पता चला है कि ग्राम पंचायत मल्ला घोरपट्टा, बूंगा तथा सरमोली में पंचायत एक्ट के नियमों के विरुद्ध विकास खंड से बाहर के कुछ परिवारों ने अपने नाम परिवार रजिस्टर में दर्ज कर दिया है। पंचायत एक्ट के अनुसार इन परिवारों के कोई भी दस्तावेज ग्राम पंचायत के पास नहीं है। ग्राम पंचायतों की बैठक में ग्राम के मूल निवासियों द्वारा बाहरी परिवारों के नाम दर्ज होने पर गंभीर आपत्ति व्यक्त की गई है। जिपंस जगत मर्तोलिया ने बताया कि इन परिवारों के मुखिया के साथ ही तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, ग्राम प्रधानों को नोटिस भेजकर उनका पक्ष जाना जाएगा। उसके बाद इन मामलों में पंचायत एक्ट के अनुसार अंतरिम कार्यवाही की जाएगी।

जिपंस जगत मर्तोलिया ने एक साल पहले अनुपूरक योजनाओं में दर्ज करने के बाद भी प्रस्तावित मुर्गी विलेज तल्ला घोरपट्टा, मल्ला घोरपट्टा में अभी तक मुर्गी बाड़ा नहीं बनने पर कड़ी आपत्ति जताई। ग्राम पंचायत तल्ला दुम्मर को दूसरा मुर्गी विलेज बनाया जा रहा है। इसके लिए भी तत्काल प्रभाव से मुर्गी बाड़ा बनाने की प्लानिंग बनाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी 25 ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर अनुपूरक योजनाओं को आनलाइन करने का कार्य इस माह पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में होने वाली ग्राम पंचायतों की बैठक में बीते वर्ष की योजनाओं के छूटने की बात सामने नहीं आनी चाहिए।

गणेश दत्त घाट में स्नान के दौरान पानी में डूबे 02 युवक

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम

जल पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है तलाशी अभियान

हरिद्वार। आज दिनांक 23.05.2023 को कंट्रोल रूम हरिद्वार द्वारा दो व्यक्तियों के गणेश दत्त घाट ठोकर नंबर 17 पर स्नान करते हुए पानी में डूब जाने की सूचना पर चौकी सप्त ऋषि पुलिस व जल पुलिस मौके पर पहुंची तो मौके पर पहुंची।

मौके पर मौजूद सुधांशु कुमार पुत्र राजेश निवासी ग्राम सरैया थाना सकरा जिला मुजफ्फरपुर द्वारा बताया गया कि वह अपने मित्रों के साथ उक्त घाट पर स्नान कर रहा था जिनमें से उसके साथ के अभिषेक पुत्र देवानंद उम्र लगभग 19 वर्ष व साहिल निवासी मुजफ्फरपुर जनपद विहार नहाते हुए पानी में बह गए। उक्त दोनों व्यक्तियों की खोज के लिए जल पुलिस लगातार तलाशी अभियान चला रही है। उपरोक्त सभी व्यक्ति दिनांक 22/05/23 से शांतिकुंज में निवासरत थे।

लूट के आरोपी के घर ढ़ोल नगाड़े लेकर पहुंची हरिद्वार पुलिस

मजिस्ट्रेट का आदेश सुनाकर हरिद्वार से किया जिलाबदर

अपराधियों के लिए हरिद्वार में कोई जगह नहीं, या तो जगह छोड़ो या हरिद्वार: एसएसपी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

भगवानपुर। अभ्यस्त अभियुक्तों के खिलाफ हरिद्वार पुलिस द्वारा विगत काफी समय से ठोस कार्यवाही की जा रही है। जिससे हरिद्वार के अपराध जगत में खलबली मची है। एसएसपी अजय सिंह के अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने के सख्त दिशा निर्देशों पर काम करते हुए हरिद्वार पुलिस ने आज लूट के दो मामलों में आरोपित अभियुक्त शुभम को उसके मस्कन पर ढोल नगाड़े बजाकर विधिनुसार जिलाबदर किया।

पड़ोसियों के बीच जिलाबदर आदेश सुनाने के पश्चात अभियुक्त शुभम को सहारनपुर बॉर्डर से बाहर कर जिलाबदर की कार्यवाही की गई।

नाम पता अभियुक्त

1- शुभम पुत्र राजू निवासी जहाजगढ भगवानपुर

आपराधिक हतिहास

1-मु0अ0स 269/17 धारा 394/34 भादवि

2-मु0अ0स0 230/17 धारा 392 भादवि

पुलिस टीम

1-व0उ0नि0 सतेन्द्र सिंह

2-कानि0 देवेन्द्र नेगी

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com